वन उत्पादकता संस्थान, रांची

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

(पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय,भारत सरकार की एक स्वायत निकाय)

रांची - गुमला राष्ट्रीय राजमार्ग - 23, रांची (झारखण्ड) – 835303

प्रदर्शन ग्राम कुटाम में केचुआ वितरण

दिनांक : 28.01.2022

वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत संस्थान के निदेशक डा. नितिन कुलकर्णी के निर्देश पर दिनांक 28.01.2022 को प्रदर्शन ग्राम कुटाम में 5 किसानों को वितरित वर्मी बेड में केचुआ डाला गया। श्री सुभाष चंद्र सोनकर, श्री एस.एन.वैद्य एवं श्री बी.डी.पंडित की देख रेख में श्री बंधना डोडराय, श्री मार्टिन कोंगारी, श्री रायलेन सोए, श्री डेविड डोडराय एवं श्री गोविन्द डोडराय द्वारा तैयार किए गए वर्मी बेड में 4 किलोग्राम प्रति बेड के हिसाब से केचुआ डाला गया। इसके पूर्व दिनांक 13.01.2022 को श्री जीतू डोडराय, श्री मांसी पूर्ति एवं श्री हेरेन पूर्ति को तीन बेड तैयार कर केचुआ डाला गया। प्रदर्शन ग्राम कुटाम में दाउद डोडराय सहित कुल 9 लाभुक किसानों के बीच वर्मी बेड वितरण कर केचुआ डाला गया। श्री सुभाष सोनकर ने केचुआ डालने के बाद किसानों को आवश्यक प्रबंधन के विषय में विस्तार से बताया। किसानों को राय दी गई कि नमी हमेशा बनी रहनी चाहिए तथा पक्षियों, मुर्गियों से बचाव हेतु सुती बोरा से ढककर रखना अनिवार्य है। छाया की व्यवस्था भी की जानी चाहिए तथा वर्षा से बचाव की भी व्यवस्था की जानी चाहिए। एक बेड में दो-चार चींटी देखी गई। किसानों को बेड के चारो ओर ब्लीचिंग/BHC पाउडर छींटने की सलाह दी गई। श्री एस.एन.वैद्य ने किसानों से अपील किया कि जिस किसान का खाद पहले और उच्च कोटि का तैयार होगा उन्हें प्रोत्साहित किया जायेगा एवं संस्थान की ओर से केचुआ खाद बेचने की भी व्यवस्था की जायेगी। श्री बी.डी.पंडित ने किसानों को वर्मी बेड प्रबंधन, केचुआ के स्वभाव आदि से अवगत कराते हुए किसानो को इसकी उपयोगिता एवं लाभ से अवगत कराया। उन्होने दाउद डोडराय के ¼ बेड का तैयार खाद को संग्रहण का तरीका भी बताया तथा बाकी बचे बेड में डाले गए खाद सामग्री में केचुआ डालने के लिए प्रेरित किया। संस्थान के दल द्वारा बताए गए विधियों को किसानों ने अच्छी तरह अनुकरण किया तथा किसानों द्वारा पूछे गए सवालों का दल द्वारा निराकरण किया गया। लगभग सभी बेडों को जूट के बोरे से ढ़का गया तथा छाया किया गया। ग्राम प्रधान श्री बंधना डोडराय एवं प्रेरक दीदी श्रीमती पूणम सोय ने संस्थान एवं संस्थान के दल का धन्यवाद किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री सुभाष चंद्र सोनकर, श्री एस.एन.वैद्य, श्री बी.डी.पंडित एवं श्री सूरज कुमार का सराहनीय योगदान रहा।

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां